पाठ 1. कोई नहीं पराया

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** विष **(ख)** जगहित में जीने के लिए
(ग) बुराई रूपी अँधेरे को मिटा सके। **(घ)** ता

प्रश्न 3. **(क)** विषम **(ख)** महादेव **(ग)** देवालय **(घ)** फुलवारी

प्रश्न 4. **(क)** कवि ने जियो और जीने दो, प्यार बाँटने, दूसरों के साथ सुख-दुख और हँसी बाँटने वाली सीख देनी चाही है।

(ख) कवि प्यार बाँटने का संदेश दे रहा है।

(ग) कवि चाहते हैं जो हमें कष्ट अर्थात दुख पहुँचाए। हमें उन्हें भी कष्ट नहीं देना है। जैसे कि शूल हमें चुभते हैं।

(घ) कवि का कहना है कि गरीब को दुखी करने के बजाय उनके दुख-दर्द बाँटो ताकि तुम्हारी हँसी में उनकी हँसी भी शामिल हो, वे भी तुम्हारे साथ हँसें।

(ङ) सांसारिक

प्रश्न 5. **(क)** कवि अपने आपको देश की सीमा और काल अर्थात् समय से बँधा हुआ नहीं पाता।

(ख) कवि का कहना है कि वे जाति-पाँति या ऊँच-नीच का भेद-भाव करने वाले लोगों की भीड़ में नहीं खड़ा है। उनके लिए मंदिर-मस्जिद आदि सब बराबर हैं। वे किसी व्यक्ति विशेष से प्रेम न करके समस्त मानव जाति से प्रेम करना चाहते हैं। वे उनकी सेवा करना चाहते हैं।

(ग) जगहित जीने में सबके हित की कामना की जाती है इसमें निजी स्वार्थों के लिए कोई स्थान नहीं होता। जबकि स्वयं हित जीने में निजी स्वार्थों को प्रमुखता दी जाती है। इंसान परहित की बजाय अपने हित की कामना करता है।

(घ) कवि ने अपना आराध्य आदमी को माना है।

(ङ) फूल के बारे में कवि का कहना है कि फूल से उपवन की शोभा बढ़ती है इसीलिए डाली से पहले फूल पर उपवन का अधिकार है।

(च) प्यार के बिना घट-घट में राम के होने का आभास नहीं होता है क्योंकि आदमी में ही राम निवास करते हैं। जब आदमी ही आदमी से प्यार नहीं करेगा तो घट-घट राम कहाँ से दिखेंगे।

(छ) इस कहानी का मूल भाव है जाति-पाँति या ऊँच-नीच की भावना से हटकर सारे संसार को अपना घर समझना, किसी को पराया न समझना, स्वयंहित को छोड़कर जनहित में कार्य करना।

प्रश्न 6. **(क)** तद्भव **(ख)** तद्भव **(ग)** तद्भव **(घ)** तद्भव **(ङ)** तत्सम
(च) तत्सम **(छ)** तत्सम **(ज)** तद्भव

प्रश्न 7. **(क)** संसार, जागना **(ख)** कम होना, घड़ा **(ग)** सीढ़ी, जीवन जीना

प्रश्न 8, 9 एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 2. हार की जीत

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** घोड़े की प्रशंसा सुनने के लिए।

(ख) घोड़े की चाल देखकर।

(ग) बाबा जी का घोड़ा किसी न किसी प्रकार ले जाएगा।

(घ) मुहावरा

प्रश्न 3. **(क)** नाल **(ख)** अस्तबल **(ग)** घुड़दौड़ **(घ)** चेतक

प्रश्न 4. **(क)** बाबा भारती ने खड्गसिंह को घमंड से घोड़ा दिखाया।

(ख) क्योंकि ऐसा बाँका घोड़ा खड्गसिंह की आँखों से कभी न गुज़रा था।

(ग) खड्गसिंह ने सोचा, 'ऐसा घोड़ा तो मेरे पास होना चाहिए। इस साधु को इससे क्या मतलब'

(घ) इस अंश में 'साधु' बाबा भारती को कहा गया है। क्योंकि वे छोटे-से-मंदिर में रहते और भगवान का भजन करते थे।

(ङ) हज़ार

प्रश्न 5. **(क)** बाबा भारती सुलतान के बिना नहीं रह सकते थे। ये उनका प्यार ही था कि उन्हें उसकी चाल ऐसी लगती थी मानो घटा को देखकर मोर नाच रहा हो। बाबा भारती जब तक सुलतान पर चढ़कर आठ-दस मील का चक्कर न लगा लेते, उन्हें चैन नहीं आता।

(ख) सुलतान की कीर्ति डाकू खड्ग सिंह के कानों तक पहुँच चुकी थी। उसे देखने के लिए वह बाबा भारती के पास पहुँच गया। बाबा के पूछने पर कि यहाँ कैसे आ गए। उसने कहा, सुलतान की चाह यहाँ खींच लाई है। बाबा ने कहा, उसे जो एक बार देख लेता है उसके हृदय पर उसकी छवि अंकित हो जाती है। खड्गसिंह ने कहा बहुत दिनों से अभिलाषा थी। आज उपस्थित हुआ हूँ।

(ग) खड्गसिंह ने अपाहिज बनकर बाबा भारती से मदद माँगी और वैद्य के पास पहुँचाने को कहा। बाबा ने घोड़े से उतरकर अपाहिज बने खड्गसिंह को घोड़े पर बिठाया और लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलने लगे। अचानक अपाहिज (खड्गसिंह) घोड़े की पीठ पर तनकर बैठा और घोड़े को दौड़ाते हुए ले गया।

(घ) बाबा भारती का घोड़े के प्रति प्रेम, उनके ऊँचे विचार तथा पवित्र भाव देखकर खड्गसिंह सुलतान को अस्तबल में वापस बाँध आया।

(ङ) घोड़े की अस्तबल में देखकर बाबा भारती घोड़े से इस प्रकार लिपटकर रोने लगे मानो कोई पिता बहुत दिनों से बिछुड़े हुए पुत्र से मिल रहा हो। वे बार-बार उसकी पीठ पर हाथ फेरते, बार-बार उसके मुँह पर थपकियाँ देते और संतोष से बोले, अब कोई दीन-दुखियों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा।

(च) कहानी का 'हार की जीत' शीर्षक औचित्यपूर्ण है। क्योंकि बाबा भारती घोड़ा हारने के बाद भी जीत जाते हैं। उनके कहे गए शब्दों का खड्गसिंह के कानों में बार-बार गूँजना खड्गसिंह की अंतरात्मा को झकझोर देता है और वह घोड़ा अस्तबल में वापिस छोड़ जाता है। एक डाकू का हृदय परिवर्तन

होना और बाबा को दोबारा घोड़ा मिलना शीर्षक के औचित्य को दर्शाता है।

प्रश्न 6. (क) सुलतान की कीर्ति खड्गसिंह के कानों तक भी पहुँच गई थी। उसका हृदय उसे देखने के लिए अधीर हो उठा था, और फिर एक दिन 'सुलतान की चाह' उसे बाबा भारती के पास खींच लाई।

(ख) खड्गसिंह का यह सोचना कि बाबा भारती को अपने पुत्र समान घोड़े का ख्याल नहीं था, बल्कि यह ख्याल था कि कहीं लोग दीन-दुखियों पर विश्वास करना न छोड़ दें। ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता है।

प्रश्न 7. (क) इलाके का प्रसिद्ध डाकू **(ख)** यह घोड़ा **(ग)** रात्रि का तीसरा पहर **(घ)** गाँव के कुत्ते

प्रश्न 8. (क) किसी से ईर्ष्या होना **(ख)** बहुत खुश होना **(ग)** बहुत दुख होना **(घ)** बहुत कोशिश करना

प्रश्न 9. (क) प्रसन्न, प्रसिद्ध, प्रशंसा, प्रसन्नता, प्रयोजन, प्रकार

(ख) अधीर, अधीरता, असावधान, अस्वीकार **(ग)** विचित्र, विचार **(घ)** अधिकार

प्रश्न 10, एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. भालूवाला

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** नीलकांत मणि **(ख)** लेखक का कुत्ता **(ग)** नीलकांत मणि के साथ **(घ)** भालू और बंदरिया के साथ

प्रश्न 3. **(क)** नुक्कड़ नाटक **(ख)** थिएटर **(ग)** सर्कस **(घ)** नायक

प्रश्न 4. **(क)** नीलकांत मणि का घर बिहार और बंगाल की सीमा पर बसे एक गाँव में था।

(ख) नीलकांत मणि खेल दिखाने के अलावा बाकी समय अपनी खेतबाड़ी में ही लगा रहता था।

(ग) नीलकांत मणि को खेत-बाड़ी से जो फसल होती थी वह सालभर के निर्वाह के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। इसीलिए उसे गाँव-घर छोड़ना पड़ता था।

(घ) भालू और बंदरिया का नाच दिखाया करता था।

(ङ) संकेतवाचक विशेषण

प्रश्न 5. **(क)** नीलकांत मणि एक भालूवाला था। उसके पास एक बंदरिया भी थी। वह भालू और बंदरिया का नाच दिखाता था।

(ख) खेल दिखाना शुरू करने से पहले भालूवाला खेती-बाड़ी में लगा रहता था।

(ग) खेत समाप्त होने पर भालूवाला रानी बंदरिया के दोनों हाथों में एक अल्युमिनियम की एक थाली पकड़ा देता था। रानी बंदरिया हाथों में थाली थामे चारों ओर खड़े लोगों के पास बारी-बारी से जाती और मौन रूप में दो, चार पैसों की माँग करती।

(घ) लेखक ने नीलकांत मणि के बारे में जाना कि बिहार और बंगाल की सीमा पर बसे एक गाँव में उसका घर है। खेल दिखाने से पहले वह खेती-बाड़ी करता था। जो फसल होती थी वह निर्वाह के लिए पूरी नहीं थी। इसीलिए वह दूर्गापूजा के बाद घर छोड़कर निकल पड़ता था-भालू और बंदरिया का नाच दिखाने।

(ङ) गाँव लौटने से पहले नीलकांत मणि ने लेखक से कहा कि अब उसके शरीर में जान नहीं बची है इसलिए अब वह अपने लड़के को खेल दिखाने के लिए भेजेगा।

(च) नीलकांत के बेटे ने अपने पिता के बारे में बताया कि वह मर गया है।

(छ) नीलकांत के जीवित होने का भेद लेखक के कुत्ते ने खोला। उसने अचानक भालू के ऊपर हमला कर दिया और भालू के सिर को अपने जबड़ों से पकड़कर उसकी खाल ही उधेड़ दी। खाल उधेड़ते ही उसके भीतर से नीलकांत मणि निकल आया।

प्रश्न 6. **(क)** स्त्रीलिंग **(ख)** पुल्लिंग **(ग)** स्त्रीलिंग **(घ)** पुल्लिंग **(ङ)** स्त्रीलिंग **(च)** स्त्रीलिंग **(छ)** पुल्लिंग **(ज)** पुल्लिंग (वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।)

प्रश्न 7. **(क)** उस–संकेतवाचक विशेषण **(ख)** वहाँ–संकेतवाचक विशेषण **(ग)** वह–संकेतवाचक विशेषण **(घ)** वह–संकेतवाचक विशेषण **(ङ)** उसे–सर्वनाम **(च)** इस–संकेतवाचक विशेषण

(**छ**) आपकी–सर्वनाम (**ज**) तुम–संकेतवाचक विशेषण

प्रश्न 8. (**क**) पूर्वकालिक क्रिया (**ख**) प्रेरणार्थक क्रिया (**ग**) प्रेरणार्थक क्रिया
(**घ**) पूर्वकालिक क्रिया (**ङ**) पूर्वकालिक क्रिया (**च**) प्रेरणार्थक क्रिया

प्रश्न 9. 10. एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 4. होली

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** इससे समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ता है।
(ख) कानूनी बंधनों से थोड़ी-सी छूट ले लेना।
(ग) होली का दिन परायों को भी अपना बनाने का है, इसलिए कोई बुरा नहीं मानेगा।
(घ) निषेधात्मक वाक्य

प्रश्न 3. **(क)** चतुराई **(ख)** अपरिचित **(ग)** जगत **(घ)** वैर **(ङ)** नीति
(च) विचार **(छ)** प्रेम **(ज)** निकट

प्रश्न 4. **(क)** शत्रु के साथ आपसी द्वेष समाप्त करने के लिए कवि ने उसे बाँहों में भरने की बात कही है।
(ख) क्योंकि होली ही एक ऐसा त्योहार जिसमें लोग अपने-पराये को रंग लगाकर गले मिलते हैं और अपरिचित से परिचित होते हैं।
(ग) कवि ने शत्रुता को भूल जाने को कहा है।
(घ) अ + परिचय + इत

प्रश्न 5. **(क)** होली के दिन किसी को भी रंग लगाकर अपना बनाने की आज़ादी होती है। शत्रु को मित्र बनाकर अपना बनाने की आज़ादी, अपरिचित से परिचित होकर अपना बनाने की आज़ादी होती है।
(ख) कवि ने कहा है प्रेम इस जगत का मूल है। नफ़रत तथा घृणा की भावना को त्यागकर संपूर्ण जगत को प्यार से भर दो। अपना-पराया, अमीर-गरीब और शत्रुओं को भी प्रेम से गले लगा लो।
(ग) जीवन की सफलता भूल-चूक और लेनी-देनी में छिपी होती है। यदि इंसान अपने द्वारा की गई गलतियों को सुधार ले तो हमारे आपसी संबंधों में नफ़रत के बजाय प्यार और मित्रता का भाव होगा।
(घ) इस कविता में कवि ने कहा है होली ऐसा त्योहार है जिसमें तुम अपने मन की इच्छा पूरी कर सकते हो। तुम्हें कोई मना करने वाला नहीं है। रंग लगाकर किसी को भी तुम मित्र बना सकते हो। शत्रु से दुश्मनी समाप्त कर सकते हो।

प्रश्न 6. **(क)** वि + रोध + ई **(ख)** अ + नीति + इक + ता
(ग) वि + चार + वान **(घ)** स + फल + ता

प्रश्न 7. **(क)** अधिक प्यार देना **(ख)** अनादर करना **(ग)** धोखा देना
(घ) डराना, धमकाना

प्रश्न 8. **(क)** अधिकतर **(ख)** लघु **(ग)** तीव्रतम **(घ)** श्रेष्ठतर
(ङ) उच्च, उच्चतम **(च)** निकटतर

प्रश्न 9, एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 5. नीलकंठ

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** बड़े मियाँ की **(ख)** शंकरगढ़ के एक चिड़ीमार से
(ग) मोर के पंजों से दवा बनती है। **(घ)** प्रेरणार्थक क्रिया

प्रश्न 3. **(क)** छत्तीसगढ़ – पहाड़ी मैना **(ख)** गोवा – बुलबुल **(ग)** गुजरात – राजहंस
(घ) झारखंड – कोयल **(ङ)** अरुणाचल प्रदेश – हॉर्नबिल

प्रश्न 4. **(क)** लेखिका ने मोर के बच्चों को जाली के बड़े घर में पहुँचाया क्योंकि वह जीव-जंतुओं का सामान्य निवास था।

(ख) लक्का कबूतर नाचना छोड़कर उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूँ-गुटरगूँ की रागिनी अलापने लगा।

(ग) तोते भलीभाँति देखने के लिए एक आँख बंद करके उनका परीक्षण करने लगे।

(घ) लेखिका ने ऐसा इसीलिए कहा, क्योंकि नवागंतुकों (दोनों चिड़ियाँ) को देखकर पिंजरे के सभी प्राणियों के व्यवहार में तेज़ी से बदलाव आया।

(ङ) नव + आगंतुक

प्रश्न 5. **(क)** लेखिका जब बड़े मियाँ की दुकान पर पहुँची तो उन्होंने सड़क पर आकर ड्राइवर को रुकने का संकेत दिया।

(ख) बड़े मियाँ जब बोलते थे तो रुकते नहीं थे, सुनने वाला ही अगर उन्हें, रोक दे तो वे रुक जाते थे।

(ग) लेखिका ने दुकान से मोर के बच्चों वाला पिंजरा खरीदा।

(घ) तीतर है, मोर कहकर ठग लिया है, यह बात सुनकर कदाचित अनेक बार ठगे जाने के कारण ही ठगे जाने की बात लेखिका के 'चिढ़ जाने की दुर्बलता बन गई। लेखिका ने ऐसा इसी संदर्भ में कहा है।

(ङ) लेखिका ने पहले मोर के बच्चों का पिंजरा अपने पढ़ने-लिखने के कमरे में रखकर दरवाज़ा खोल दिया। मोर के बच्चे कभी मेज़ के नीचे घुस जाते, कभी अलमारी के पीछे लुका-छिपी से थककर कभी रद्दी के कागज़ों की टोकरी को अपना बसेरा बना लेते। आश्वस्त हो जाने पर कभी लेखिका की कुर्सी पर, कभी मेज़ पर और कभी सिर पर अचानक आर्विभूत होने लगे।

(च) नीलकंठ का प्रेम इस बात से प्रकट होता था कि उसने अपने आपको चिड़ियाघर के निवासी जीव-जंतुओं का सेनापति और संरक्षक नियुक्त किया। सुबह सवेरे कबूतर आदि की सेना एकत्र कर उस ओर ले जाता था जहाँ दाना दिया जाता था और घूम-घूमकर मानो सबकी रखवाली करता रहता। किसी ने कुछ गड़बड़ की नहीं कि वह अपने तीखे चंचु प्रहार से उसे दंड देने दौड़ता।

प्रश्न 6. **(क)** अतिथि **(ख)** गुप्तवास **(ग)** अनुसरण **(घ)** अनाधिकार

प्रश्न 7. **(क)** चिड़ीमार = चिड़ियों को मारने वाला (तत्पुरुष समास)
(ख) पक्षी-शावक = पक्षी का शावक (तत्पुरुष समास)
(ग) दंडविधान = दंड का विधान (तत्पुरुष समास)

(घ) जीव-जंतु = जीव और जंतु (द्वंद्व समास)

(ङ) लुका-छिपी = लुका और छिपी (द्वंद्व समास)

(च) नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास)

प्रश्न 8. (क) परिणाम = फल; परिमाण = मात्रा

(ख) आगमन = आना; आवागमन = आना-जाना

(ग) सड़क = रास्ता; सरक = सरकना क्रिया का मूल रूप

(घ) ओर = तरफ़; और = तथा

(ङ) दिन = दिवस; दीन = गरीब

(च) घुस = घुसना क्रिया का मूल रूप; घूस = रिश्वत

प्रश्न 9. (क) रूढ़ि **(ख)** यौगिक **(ग)** रूढ़ि **(घ)** यौगिक **(ङ)** यौगिक

(च) योगरूढ़ **(छ)** यौगिक **(ज)** यौगिक

प्रश्न 10, एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. वारिस

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** मास्टर जी की **(ख)** लेखक का **(ग)** फाउंटेन पेन को
(घ) मास्टर जी की स्मृतियों को **(ङ)** मुहावरा

प्रश्न 3. **(क)** भारत–5 सितंबर **(ख)** श्रीलंका–6 अक्तूबर **(ग)** भूटान–2 मई
(घ) चीन–10 सितंबर **(ङ)** पाकिस्तान–5 अक्तूबर **(च)** बंगलादेश–4 अक्तूबर

प्रश्न 4. **(क)** लेखक ने मास्टर जी के आने-जाने के समय के बारे में बताया कि उनके आने का समय जितना निश्चित था, जाने का समय उतना ही अनिश्चित था।

(ख) मास्टर जी कभी डेढ़ घंटा कभी दो घंटा पढ़ाते रहते थे।

(ग) तब लेखक के लिए 'नाउन' और 'एडजेक्टिव' में फर्क करना मुश्किल हो जाता। वह जम्हाइयाँ लेता।

(घ) लेखक बार-बार ऊबकर घड़ी की ओर देखता क्योंकि पढ़ते-पढ़ते वह थक जाता था।

(ङ) पढ़ते-पढ़ते, बार-बार

प्रश्न 5. **(क)** खट-खट की आवाज़ सीढ़ियों पर से आती थी। आवाज़ सुनते ही लेखक पतंग और डोर लिए हुए ऊपर कोटे पर पहुँच जाते थे।

(ख) लेखक की बहन का ध्यान उनकी कॉपी पर होता था। आँखों के इशारे से वह लेखक को जम्हाइयाँ लेने और बार-बार ऊबकर घड़ी देखने के लिए मना करती और इशारे से ही धमकी देती कि मास्टर जी को बता देगी।

(ग) मास्टर जी ने पिता जी से कहा था कि वे जाने से पहले बच्चों से एक बार मिलने आए हैं।

(घ) मास्टर जी के बीमार पड़ने पर लेखक उन्हें सूप वगैरह देकर आते थे, और वैद्य के पास से दवाई लाकर भी उन्हें देते थे। लेखक का काफ़ी समय मास्टर जी की कोठरी में ही बीतता था।

(ङ) लेखक के पिता ने मास्टर जी को सूचित करने को कहा कि जिस दिन उनका अंग्रेजी का 'बी' पेपर होगा, उस दिन तक मास्टर जी से पढ़ते रहेंगे मगर उसके बाद नहीं।

(च) लेखक से मास्टर जी द्वारा पूछे गए अंग्रेजी के पेपर 'बी' के प्रश्न-पत्र के सही जवाब मिलने पर मास्टर जी ने लेखक की पीठ थपथपाई।

(छ) जाने से पहले मास्टर जी बच्चों से मिलने उनके घर गए। उन्होंने बच्चों के सिर पर हाथ फेरा और काँपते हुए हाथों से जेब से फाउंटेन पेन निकाला और लेखक के हाथ में देते हुए कहा, 'रख लो, रख लो! बहुत अच्छा तो नहीं मगर काम करता है। मुझे इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। अब से तुम्हीं इस कलम के वारिस हो।' उनकी आँखें भर आई थीं। इसीलिए उन्होंने मुसकराने का प्रयत्न किया और लेखक का कंधा थपथपाकर खट-खट सीढ़ियाँ उतर गए।

(ज) शीर्षक- मास्टर जी का पेन/ 'मास्टर जी'

प्रश्न 6. (क) प्रस्तुत पंक्तियों से स्पष्ट होता है कि कुर्सी की च्याँ की आवाज़ से लेखक को मास्टर जी के जाने का संकेत मिल जाता है। उनका दिल खुशी के मारे उछलने लगता है। उनके मस्ती करने का समय हो जाता है। उन्हें पढ़ाई से आज़ादी मिलने का समय हो गया है।

(ख) काफ़ी दिनों बाद लेखक को सीढ़ियों पर खट-खट की आवाज सुनाई दी। उन्हें देखकर वे लोग चौंक गए और निराश हुए। मास्टर जी का चेहरा पसीने से भीगा हुआ था। वे काफ़ी कमज़ोर हो गए थे। मास्टर जी को चार सप्ताह से टाइफाइड था।

प्रश्न 7. (क) के लिए **(ख)** से **(ग)** ने **(घ)** पर **(ङ)** से **(च)** का **(छ)** को

प्रश्न 8. (क) ठहरवाना **(ख)** दिलाना **(ग)** दिखलाना **(घ)** रुलाना **(ङ)** बुलवाना

प्रश्न 9. (क) सीख **(ख)** पुस्तिका **(ग)** शिक्षक **(घ)** अंतर **(ङ)** पुस्तक **(च)** दृष्टि **(छ)** अधिक **(ज)** मस्तिष्क

प्रश्न 10, एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. स्वतंत्रता का दीपक

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** सुखद स्थितियों के इर्द-गिर्द चुनौतियाँ भी हैं।
(ख) केवल कष्ट और चुनौतियाँ **(ग)** प्राणदान **(घ)** विदेशज

प्रश्न 3. पुनीत, अतीत, स्वतंत्रता, वितान, तीर, अनंत, जीत, अशांति, शांति, स्वतंत्र

प्रश्न 4. **(क)** आँधियाँ, बिजलियाँ और बदलियाँ इस स्वतंत्रता रूपी दीपक को बुझाने की कोशिश कर रही हैं।
(ख) देश में अशांति का माहौल है, ऊँच-नीच का भेद-भाव है। लोग आपस में लड़ रहे हैं।
(ग) दीपक स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है।
(घ) परतंत्र × स्वतंत्र; विदेश × स्वदेश

प्रश्न 5. **(क)** 'यह निशीथ का दिया ला रहा विहान है'। देश पर, समाज पर, ज्योति का वितान है'। लड़ रहा स्वदेश हो, शांति का न लेश हो', 'क्षुद्र जीत-हार पर, यह दिया बुझे नहीं।'
(ख) स्वतंत्रता रूपी यह दीपक जीवन को प्रकाशित करने वाला है। यह अँधेरी रात से मुक्ति दिलाने वाला सवेरा है। स्वतंत्रता रूपी इस दीपक को पाने के लिए देश भक्तों ने बड़ी कुर्बानियाँ दी हैं।
(ग) कवि ने दीपक के लिए 'पुनीत भावना' 'विनीत प्रार्थना' व 'अनंत साधना' जैसे शब्दों का इस्तेमाल इसीलिए किया है क्योंकि स्वतंत्रता पाने के लिए देश भक्तों ने बड़ी-बड़ी कुर्बानियाँ दी हैं। भारत माता ने सैंकड़ों बरस दुख-दर्द झेले हैं।
(घ) स्वतंत्रता के दीपक को जलने के लिए राष्ट्रीय एकता और भाईचारा की भावना चाहिए।

प्रश्न 6. **(क)** हवा के कठोर झोंकों को सहता यह
(ख) देश के लिए शहीद होने वाले वीर **(ग)** मन में हिम्मत जगाता यह

प्रश्न 7. **(क)** अ + तीत **(ख)** स्व + तंत्र + ता **(ग)** अ + शांति
(घ) समाज + इक **(ङ)** स्व + देश **(च)** प्रार्थना + ईय
(छ) वि + तान **(ज)** लड़ना + आई

प्रश्न 8, 9 एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. सदाचार का ताबीज़

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** क्योंकि दरबारी भी भ्रष्ट थे। **(ख)** भ्रष्टाचार **(ग)** विशेषज्ञ

प्रश्न 3. दैनिक जागरण – हिंदी, लोकमत – मराठी, दिव्य भास्कर – गुजराती, दिनाकरण – तमिल, इनाडू – तेलुगु, इंडियन एक्सप्रेस – अंग्रेज़ी, आनंद बाज़ार पत्रिका – बंग्ला

प्रश्न 4. **(क)** राजा को लाखों ताबीज़ चाहिए थे, भ्रष्टाचार से छुटकारा पाने के लिए।

(ख) साधु को पाँच करोड़ रुपये रकम पेशगी के रूप में मिली। ये रकम उन्हें ताबीज़ का कारखाना बनाने के लिए मिली।

(ग) 'सदाचार के ताबीज़ की खोज! ताबीज़ बनाने का कारखाना खुला।'

(घ) जो सब जगह व्याप्त हो। (कर्मधारय)

प्रश्न 5. **(क)** दरबारी ने राय दी कि भ्रष्टाचार बहुत बारीक होता है, हमें नहीं दिखेगा। अपने राज्य में एक जाति रहती है। जिसे 'विशेषज्ञ' कहते हैं। इस जाति के पास ऐसा अंजन है जिसे आँखों में लगाकर वे बारीक चीज़ भी देख लेते हैं। इन विशेषज्ञों को ही भ्रष्टाचार ढूँढ़ने का कार्य सौंपे।

(ख) राजा ने विशेषज्ञों को भ्रष्टाचार ढूँढ़ने के काम पर लगाया।

(ग) विशेषज्ञों ने कहा भ्रष्टाचार मिटाने के लिए व्यवस्था में बहुत परिवर्तन करने होंगे। एक तो भ्रष्टाचार के मौके मिटाने होंगे। इसी तरह और बहुत-सी चीज़ें हैं। किन कारणों से आदमी घूस लेता है, यह भी विचारणीय है।

(घ) दरबारियों ने कहा महाराज, यह योजना क्या है, एक मुसीबत है! इसके अनुसार कितने ही उलट-फेर करने पड़ेंगे। कितनी परेशानी होगी। सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जाएगी। जो चला आ रहा है उसे बदलने में नई-नई कठिनाइयाँ पैदा हो सकती हैं। हमें तो ऐसी तरकीब चाहिए जिससे बिना उलट-फेर किए भ्रष्टाचार मिट जाए।

(ङ) साधु ने बताया कि भ्रष्टाचार और सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है। परमात्मा जब मनुष्य को बनाता है तब किसी की आत्मा में ईमान का पुर्जा फिट कर देता है और किसी की आत्मा में बेईमानी का। इस पुर्जे में से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं जिन्हें 'आत्मा की पुकार' कहते हैं। प्रश्न यह है कि जिनकी आत्मा से बेईमानी के स्वर निकलते हैं, उन्हें दबाकर ईमान के स्वर कैसे निकाले जाएँ।

(च) वास्तव में भ्रष्टाचार ईश्वर के समान सर्वशक्तिमान, अगोचर और सर्वत्र व्याप्त है। आज भ्रष्टाचार लोगों के लिए ईश्वर हो गया है। हमें कहानी के अनुसार व्यवस्था में परिवर्तन लाना होगा। भ्रष्टाचार को समाप्त करना है तो उसके फैलने के कारण ढूँढ़ने होंगे। उसकी जड़ों तक पहुँचना होगा। आम आदमी का आत्मविश्वास जगाना होगा, ताकि मजबूरियाँ उसे भ्रष्टाचारी न बना सकें।

प्रश्न 6. **(क)** फैल रहा था **(ख)** ढूँढ़ निकालेंगे **(ग)** मिटा देना चाहता था

(घ) लगाकर सुना

प्रश्न 7. **(क)** सत् + आचार **(ख)** भ्रष्ट+ आचार **(ग)** सिंह + आसन **(घ)** परम + आत्मा

प्रश्न 8, 9, 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. पृथ्वी का स्वर्ग

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** भिखारिन ने अचल से कहे। **(ख)** अचल ने दुलीचंद से कहे।
(ग) केशव ने अचल से कहे।

प्रश्न 3. **(क)** अचल को **(ख)** ठंड से **(ग)** संदूक में से निकालकर **(घ)** संदूक में

प्रश्न 4. विद्यार्थी पढ़ें।

प्रश्न 5. **(क)** दुलीचंद और अचल के बीच के हैं।
(ख) दुलीचंद ने संदूक के बारे में बताया, उसमें पुराने कपड़े हैं और एकाध दुशाला है।
(ग) दुलीचंद ने जो दान-पुण्य की बात कही उसमें कुछ भी वास्तविकता नहीं थी।
(घ) द्वंद्व समास

प्रश्न 6. **(क)** दुलीचंद ने बताया कि कुछ पुराने कपड़े हैं। कीड़ों से बचाने के लिए संदूक में डाल दिए।
(ख) दुलीचंद ने संदूक में नोटों का बंडल छिपा रखा था।
(ग) अचल ने अपने चित्र का नाम रखा–'पृथ्वी का स्वर्ग'।
(घ) अचल ने भिखारिन को अंदर बुलाया। उसके बीमार बच्चे के इलाज के लिए कुछ रुपये दिए और साथ ही दुलीचन्द के संदूक से निकालकर एक दुशाला भी दिया।
(ङ) खुली संदूक देखकर दुलीचंद अचल को झकझोरकर पूछने लगा, मेरा संदूक किसने खोला? उसने कपड़े तितर-बितर कर दिए। हरा दुशाला, जिसमें उसने रुपये रखे थे न मिलने पर रोने लगा और 'हाय मेरा दुशाला' कहते हुए छाती पीटने लगा।
(च) भिखारिन के दुशाला और रुपये लौटा देने से उसकी सच्चाई और ईमानदारी का पता चलता है। वह एक सद्चरित्र महिला थी। गरीबी और बच्चे की बीमारी में भी जो लालच से दूर रही। रुपयों के आगे झुकी नहीं।
(छ) 'पृथ्वी का स्वर्ग' शीर्षक इस नाटक का उपयुक्त शीर्षक है, क्योंकि यहीं पर भिखारिन जैसे लोगों की सच्चाई और ईमानदारी के दर्शन होते हैं, इसीलिए पृथ्वी का स्वर्ग यहीं पर है। अन्य शीर्षक 'ईमानदार भिखारिन' हो सकता है।

प्रश्न 7. **(क)** सामान्य भूतकाल **(ख)** संदिग्ध भविष्यत् काल **(ग)** सामान्य भूतकाल
(घ) सामान्य भविष्यत् काल **(ङ)** अपूर्ण वर्तमान काल

प्रश्न 8. **(क)** नरक **(ख)** गीला **(ग)** अमीर **(घ)** पाप

प्रश्न 9. **(क)** सकर्मक क्रिया **(ख)** अकर्मक क्रिया **(ग)** सकर्मक क्रिया
(घ) अकर्मक क्रिया **(ङ)** सकर्मक क्रिया

प्रश्न 10, एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 12. सुनामी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** बाढ़, भूकंप और आगजनी **(ख)** वृक्ष से
(ग) जापान में सुनामी आई थी। **(घ)** लगभग 15000 लोग

प्रश्न 3. **(क)** जलजला **(ख)** भूस्खलन **(ग)** कुदरत **(घ)** बाढ़ **(ङ)** चक्रवात

प्रश्न 4. **(क)** लेखक ने बाढ़, सुनामी और भूकंप जैसी स्थिति के बारे में बताया है।
(ख) प्रकृति से छेड़छाड़ के दुष्परिणाम बाढ़, सुनामी और भूकंप जैसी विपदाओं के रूप देखने को मिल रहे हैं।
(ग) हमारी जीवन-शैली बाढ़, सुनामी और भूकंप जैसी विपदाओं के लिए ज़िम्मेदार है।
(घ) दुः + परिणाम

प्रश्न 5. **(क)** जीवन की चुनौतियों से हार न मानने वाले दो जीव हैं जिनका लेखक ने उल्लेख किया है वो हैं चीटियाँ और चिड़ियाँ। चींटियाँ अपने बिल बनाती हैं और बरसात या दूसरे कारण से उनमें पानी भर जाता है। चिड़ियाँ अपने घोंसले बनाती हैं और कभी हम मनुष्य अपनी सुविधा के चलते तिनके बिखेर देते है।
(ख) झंझावात की कल्पना मात्र ही हमारे अस्तित्व को झिंझोड़ देती है।
(ग) 11 मार्च सन् 2011 को जापान में सुनामी आई और लगभग 15000 जीवन-लीलाएँ देखते ही देखते इसकी लहरों का ग्रास बन गईं। आँकड़ों के हिसाब से लोग बुरी तरह जख्मी हुए और 8000 लोग लापता हुए।
रेल और सड़क यातायात के क्षतिग्रस्त होने के साथ कितनी ही इमारतें, घर, स्कूल आदि तबाह हुए, कहा नहीं जा सकता। सबसे बड़ा खतरा पैदा हुआ जापान के परमाणु केंद्रों पर। एक सीमा तक उसके भीतर से विष रिसना शुरू भी हो गया था। हवाओं में घुलता हुआ यह ज़हर जीवन पर खतरा बनकर मँडराने लगा।
(घ) सुनामी के आने से सबसे बड़ा खतरा पैदा हुआ जापान के परमाणु केंद्रों पर। एक सीमा तक उसके भीतर से विष रिसना शुरू भी हो गया था। हवाओं में घुलता हुआ यह ज़हर जीवन पर खतरा बनकर मँडराने लगा।
(च) संकट की घड़ी में पूरे विश्व समुदाय का एक साथ खड़े होना, दुख-दर्द को बाँटना और केवल शाब्दिक ही नहीं वास्तविक मदद भी करना। यही से आती है खतरों के बीच भी जीवन के लहलहाने की उम्मीद। साथ ही यह उम्मीद भी कि आने वाले कल में हम ऐसी विपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर सचेत हो सकेंगे।

प्रश्न 6. **(क)** सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य **(ग)** मिश्र वाक्य **(घ)** सरल वाक्य
(ङ) मिश्र वाक्य **(च)** मिश्र वाक्य **(छ)** सरल वाक्य

प्रश्न 7. **(क)** पुल्लिंग, एकवचन **(ख)** स्त्रीलिंग, एकवचन **(ग)** पुल्लिंग, बहुवचन
(घ) पुल्लिंग, एकवचन **(ङ)** पुल्लिंग, बहुवचन **(च)** स्त्रीलिंग, एकवचन
(छ) पुल्लिंग, एकवचन **(ज)** स्त्रीलिंग, बहुवचन

प्रश्न 8. (क) चींटियों ने मिलकर अपना बिल बनाया।

(ख) समुद्र की सतह पर उथल-पुथल मच गया था।

(ग) बाढ़ से उत्पन्न हुए संकट से हमें उबरना होगा।

(घ) प्राकृतिक विपदाएँ तो आती रहेंगी।

प्रश्न 9, 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. एक स्त्री का पत्र

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** सबसे छिपाकर **(ख)** ससुराल में पाले गए गाय-भैंस
(ग) उनकी बहन **(घ)** अपने ससुरालवालों की।

प्रश्न 3. **ऊपर से नीचे** **(क)** मीराबाई **(ग)** समुद्र **(घ)** कमरधनी
बाएँ से दाएँ **(ख)** बेसहारा **(घ)** कवयित्री **(ङ)** ईश्वर **(च)** जेठानी

प्रश्न 4. **(क)** बिंदु विवाह के तीन दिन बाद लौट आई थी।
(ख) बिंदु को 'मझली बहू' ने गौशाला में देखा।
(ग) बिंदु ने अपनी सास को बेरहम और पति को पागल बताया।
(घ) बे + रहम

प्रश्न 5. **(क)** क्योंकि वह 'मझली बहू' के बंधन से नाता तोड़ चुकी थी। भगवान और दुनिया के संपर्क में आकर उसने अपने आपको पहचाना। उसने जाना कि भगवान और दुनिया से भी उसका नाता है।

(ख) पत्र लिखने वाली स्त्री के ससुराल का माहौल घुटन भरा था।

(ग) मझली बहू के ससुराल वालों को उसके बुद्धिमान होने के गुण से परेशानी थी। वे उसे 'यह बहू तेज है' कहते। क्योंकि उसने अपनी जेठानी की अनाथ बहन को ससुरालवालों के न चाहते हुए भी अपने पास रखा।

(घ) जेठानी की अनाथ बहन माँ गुजरने के कारण अपनी बहन के पास आ गई थी। घर के सभी लोग उसके आने से परेशान थे। वह न रूपवती थी न धनवती। जेठानी ससुरालवालों की नाराज़गी की समस्या से जूझ रही थी।

(ङ) मझली के ससुरावालों ने बिंदु पर चोरी का इल्जाम लगाया। उसको घर से निकालने की हर कोशिश नाकाम रही तो उसका ब्याह पागल के साथ कर दिया। दुर्भाग्यवश सास भी बेरहम थी।

(च) इस कहानी में बिंदु की पीड़ा अधिक द्रवित करती है। माँ के गुजरने पर अपनी बहन के घर आई अनाथ बिंदु पर बहन के ससुरालवालों द्वारा बाजूबंद की चोरी का इल्जाम लगाना और किसी न किसी तरह प्रताड़ित करना। घर से निकालने की हर कोशिश नाकाम होने पर पागल आदमी से ब्याह और बेरहम सास के हवाले करना। अंत में बिंदु का आग लगाकर आत्महत्या कर लेना। इन्हीं सभी कारणों से बिंदु की पीड़ा और उसका दर्दनाक अंत अधिक द्रवित करता है।

प्रश्न 6. **(क)** अ + नाथ **(ख)** ना + काम **(ग)** अन + अंत **(घ)** अ + थाह

प्रश्न 7. **(क)** वहाँ – स्थानवाचक क्रियाविशेषण **(ख)** अब – कालवाचक क्रियाविशेषण
(ग) बहुत – परिमाणवाचक क्रियाविशेषण **(घ)** कल – कालवाचक क्रियाविशेषण
(ङ) धीरे-धीरे – रीतिवाचक क्रियाविशेषण

प्रश्न 8. **(क)** देर रात तक **(ख)** घर के अंदर **(ग)** कविता लिखते-लिखते ही
(घ) बिंदु की तरह

प्रश्न 9, एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. मानुष हौं तो

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** ब्रज के ग्वालों के बीच में **(ख)** पशु के रूप में **(ग)** गोवर्धन पर्वत

प्रश्न 3. **(क)** सारथी **(ख)** मथुरा **(ग)** द्वारकाधीश **(घ)** यशोदा **(ङ)** अर्जुन **(च)** देवकी **(छ)** वृंदावन **(ज)** कंस

प्रश्न 4. **(क)** धूल से भरे श्याम सुंदर लग रहे हैं। उनके सिर पर बँधी चोटी भी उतनी ही खूबसूरत लग रही है। आँगन में खेलते-खाते, पाँव में बजती पायल, और पीले रंग की लुंगी पहने बाल श्याम की छवि अति लुभावनी है।

(ख) अपनी कला, इच्छाएँ, धन-संपत्ति करोड़ों न्योछावर करने की बात की गई है।

(ग) कौआ हरि के हाथ से माखन और रोटी ले गया।

(घ) अपने भाग्य से कौए के भाग्य को बड़ा मानने का कारण यह है कि कौए को बाल कृष्ण के हाथ से उनकी झूठी रोटी खाने का अवसर मिला। जोकि हर किसी के भाग्य में नहीं होता।

(ङ) काक

प्रश्न 5. **(क)** कवि ने नंद की गायों के बीच में गाय के रूप में विचरने की बात इसलिए कही क्योंकि इससे उन्हें श्री कृष्ण के आस-पास रहने का अवसर मिलेगा।

(ख) कवि ने श्रीकृष्ण की लकुटी और कमरिया पर कवि ने तीनों लोक के राजपाट तजने की बात की है। ये इसलिए कहा क्योंकि उनको श्री कृष्ण की लकुटी और कमरिया अति लुभावनी और मनभावनी है।

(ग) कवि के लिए 'आठहुँ सिद्धि, नवोंनिधि' के सुख से बढ़कर नंद की गाय चराने में है।

(घ) कवि के लिए 'करील के कुँजन' करोड़ों के स्वर्ण-चाँदी, शोभा, देवस्थान सभी से बढ़कर हैं। इनकी खूबसूरती के आगे ये सब कुछ भी नहीं हैं।

(ङ) तीनों सवैयों में से अंतिम सवैया सबसे अच्छा लगा। क्योंकि कवि इसमें करोड़ों की कलानिधि श्रीकृष्ण के मनमोहक रूप पर वार रहे हैं। इसमें कवि कौए के भाग की भी सराहना कर रहे हैं। जिसे उनकी झूठी माखन रोटी खाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

प्रश्न 6. **(क)** मक्खन **(ख)** मनुष्य **(ग)** धारण **(घ)** शोभित

प्रश्न 7. **(क)** जलधि **(ख)** तलवार **(ग)** हथेली **(घ)** दृष्टि

प्रश्न 8, 9 एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. क्या निराश हुआ जाए

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** जब लेखक ट्रेन पकड़ रहा था। **(ख)** रेलगाड़ी के डिब्बे में
(ग) टिकट बाबू की ईमानदारी देखकर

प्रश्न 3. **(क)** कार **(ख)** वायुयान **(ग)** स्टीमर **(घ)** अंतरिक्षयान **(ङ)** स्कूटर
(च) रेलगाड़ी **(छ)** बस **(ज)** साइकिल

प्रश्न 4. **(क)** जब लोगों ने तुम्हारी अकारण सहायता की है, निराश मन को ढाँढ़स दिया है और हिम्मत बँधाई है लेखक ने ऐसी बातों का हिसाब रखने की सलाह दी है।

(ख) लोगों द्वारा की गई अकारण सहायता, निराश मन को ढाँढ़स और हिम्मत बँधाना। उनकी आस्था को जीवित रखने के लिए यही घटनाएँ प्रमुख हैं।

(ग) लेखक अपने निराश मन को समझा रहे हैं कि हे मन! अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है। निराश होने की ज़रूरत नहीं है।

(घ) आशा की ज्योति

प्रश्न 5. **(क)** लेखक का मन कभी-कभी इसलिए बैठ जाता है क्योंकि समाचारपत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया।

(ख) ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं। वहीं झूठ तथा फ़रेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही डगमगाने लगी है।

(ग) कृषि उद्योग, वाणिज्य और स्वास्थ्य की स्थिति को उन्नत बनाने के लिए कायदे-कानून बनाए गए हैं। जिन लोगों को इन कार्यों में लगना है उनका मन पवित्र नहीं है। वे अपनी ही सुख-सुविधाओं में ध्यान देते हैं।

(घ) रेल-टिकट लेते हुए हुई भूल का समाधान टिकट बाबू ने नब्बे रुपये लेखक के हाथ में रखते हुए किया।

(ङ) लेखक ने यात्रियों को समझाया कि मारना ठीक नहीं है। इस तरह उन्होंने ड्राइवर को बचाया। ये सब लेखक ने इनसानियत के नाते किया।

(च) बस कंडक्टर लेखक के बच्चों के लिए दूध लेकर आया था क्योंकि उससे बच्चों का रोना नहीं देखा गया और ये सब उसने इंसानियत के नाते भी किया।

(छ) लेखक के जीवन में ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण सहायता की है, निराश मन को ढाँढ़स दिया है और हिम्मत बँधाई है इसलिए लेखक ने कहा 'अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है।'

प्रश्न 6. **(क)** लेखक ने टिकट खरीदा और वह रेल के डिब्बे में बैठ गया।

(ख) बस ठीक हुई और ड्राइवर ने यात्रियों को बैठने को कहा।

(ग) कंडक्टर लौटा और उसने लेखक को दूध दिया।

(**घ**) बस चली और हमारी जान में जान आई।

प्रश्न 7. (**क**) बढ़ रही थी (**ख**) हो गई थी (**ग**) लेकर आया (**घ**) टूट रहा था

प्रश्न 8. गीतकार – मुकेश; संगीतकार – ऊषा खन्ना

प्रश्न 9, एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 16. सुभागी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** पूरा विश्राम मिल गया। **(ख)** एक भैंस **(ग)** उनका भोजन
(घ) भैंस खरीदने का

प्रश्न 3. दवाखाना, डाकखाना, कारखाना, जेलखाना

प्रश्न 4. **(क)** सुभागी को सज्जन सिंह का कर्ज़ा चुकाना था।
(ख) सुभागी को माता-पिता के क्रिया-क्रम के लिए सज्जन सिंह से कर्ज़ा लेना पड़ा था।
(ग) सुभागी पंद्रह रुपये महीने चुकाती थी।
(घ) इस गंद्याश का शीर्षक है–स्वाभिमान।
(ङ) प्रकृति का अटल नियम

प्रश्न 5. **(क)** सुभागी की माँ ईश्वर से शिकायत करती है- ईश्वर, तुम्हारी यही लीला है! जो खेल खेलते हो, वह दूसरों को दुख देकर! ऐसा तो पागल करते हैं। आदमी पागलपन करे तो उसे पागलखाने भेजते हैं मगर तुम जो पागलपन करते हो, उसका कोई दंड नहीं!

(ख) सुभागी ने कहा, चाचा मैं तुम्हारी बात समझ रही हूँ लेकिन मेरा मन घर बसाने को नहीं कहता। मुझे आराम की चिंता नहीं है। मैं सबकुछ झेलने को तैयार हूँ। जो काम तुम कहो वह सिर आँखों के बल करूँगी मगर घर बसाने को न कहो। जब मेरा चाल कुचाल देखना तो मेरा सिर काट देना। अगर मैं सच्चे बाप की हूँगी तो बात की पक्की हूँगी। फिर लज्जा रखने वाले तो भगवान हैं, मेरी क्या हस्ती है कि अभी कुछ कहूँ।

(ग) रामू को सुभागी से चिढ़ इसलिए थी क्योंकि तुलसी महतो सुभागी को रामू से अधिक प्यार करते थे। रामू जवान होते हुए भी काठ का उल्लू था, जबकि सुभागी घर के कामकाज में जितनी चतुर थी उतनी ही खेतीबाड़ी में भी निपुण थी।

(घ) सुभागी को अपने माता-पिता के अंतिम-संस्कार संबंधी अवसर पर सज्जनसिंह से मदद लेनी पड़ी।

(ङ) माता-पिता के क्रिया-क्रम का लगभग पाँच सौ रुपए का कर्ज़ सुभागी को चुकाना था। वह हिम्मत नहीं हारी थी। तीन साल तक सुभागी ने रात को रात और दिन को दिन न समझा था। दिनभर खेतीबाड़ी का काम करने के बाद वह रात को चार पसेरी आटा पीस डालती। तीसवें दिन पंद्रह रुपये लेकर वह सज्जन सिंह के पास पहुँच जाती। इसमें कभी नागा नहीं होती। यह मानो प्रकृति का अटल नियम था।

(च) प्रस्तुत कहानी में सुभागी का पात्र अच्छा लगा। ग्यारह साल की बालिका घर के काम में चतुर और खेतीबाड़ी के काम में निपुण थी। कम उम्र में ही विधवा हुई सुभागी ने बड़ी होकर शादी न करने का फैसला लिया और माता-पिता की सेवा का प्रण लिया। लेकिन माता-पिता का साया उस पर अधिक समय तक नहीं रहा। सुभागी ने अपने निकम्मे भाई की तरफ़ न

देखकर कर्ज़ा लेकर अपने माता-पिता का अंतिम-संस्कार किया। लगभग पाँच-सौ रुपये का कर्ज़ा उसने दिन-रात एक करके चुकाया। सुभागी कहानी का मेहनती, चतुर और खुद्दार पात्र है। इसीलिए सबसे अच्छा पात्र लगा।

(घ) सज्जन सिंह ने सुभागी के सम्मुख उसके घर की बहू बनने का प्रस्ताव रखा।

प्रश्न 6. (क) तुलसी ईश्वर से शिकायत करती हैं। उनकी लीला को कोसती है। उनके इस खेल को पागलपन कहती है। उसका यह कहना है जो पागलपन करते हैं उन्हें पागलखाने भेज देते हैं। ईश्वर ने जो पागलपन सुभागी के साथ लीला रचकर किया है, उसका क्या दंड नहीं है।

(ख) रामू के जन्मोत्सव में तुलसी ने कर्जा लेकर जलसा किया था, और सुभागी पैदा हुई तो घर में रुपये होते हुए भी उन्होंने एक कौड़ी खर्च न की। पुत्र को रत्न समझा था, पुत्री पूर्वजन्म के पापों का दंड। वह पुत्र रत्न माता-पिता का सहारा न बन सका पर पुत्री जिसे दंड माना वह ही उनके अंतिम समय तक उनका एकमात्र सहारा बनकर खड़ी रही।

प्रश्न 7. (क) पूरे जन्म तक – अव्ययीभाव समास

(ख) पागलों को रखने की जगह – कर्मधारय समास

(ग) माँ और बाप – द्वंद्व समास

(घ) चार पायों से बनी – कर्मधारय समास

(ङ) गाय का दान – तत्पुरुष समास

(च) दूध और घी – द्वंद्व समास

(छ) एक रत्ती मात्र – अव्ययीभाव समास

(ज) पाँच सेर का समूह – द्विगु समास

प्रश्न 8. (क) बहुत प्यारा होना **(ख)** अत्यधिक क्रोधित होना

(ग) बेवकूफ़ होना **(घ)** आश्चर्यचकित होना (वाक्य छात्र स्वयं बनाएँगे।)

प्रश्न 9. (क) सामान्य भूतकाल **(ख)** पूर्ण भूतकाल **(ग)** संदिग्ध वर्तमान काल

(घ) हेतुहेतुमद् भूतकाल **(ङ)** अपूर्ण वर्तमान काल

(च) सामान्य भविष्यत् काल **(छ)** अपूर्ण भूतकाल

प्रश्न 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 18. युगावतार गांधी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** आशीर्वाद देना **(ख)** श्रद्धा प्रकट करना **(ग)** श्रद्धा-भाव दिखाना।
(घ) हस्त

प्रश्न 3. **(क)** उत्तमचंद गांधी **(ख)** पुतलीबाई **(ग)** कीर्ति मंदिर
(घ) बिरला भवन **(ङ)** लंदन

प्रश्न 4. **(क)** क्योंकि गांधी जी के पथ का अनुसरण भारत ही नहीं भारत के बाहर के लोगों ने भी किया।

(ख) गांधी जी के कर्मों का यह प्रभाव पड़ा कि युग-कर्म जगा और युग-धर्म तना। अर्थात् एक तरफ पूरा देश अंग्रेजों से भारत माता को मुक्ति दिलाने के लिए संघर्ष करने लगा दूसरी तरफ़ भारत में धार्मिक अंधविश्वासों की जड़ें उखड़ने लगीं।

(ग) युग का धर्म (तत्पुरुष समास)

प्रश्न 5. **(क)** गांधी जी के पथ का अनुसरण भारत ने ही नहीं भारत के बाहर असंख्य लोगों ने किया है। युग की आवाज़ बन गए बापू ने अपने समय और समाज को सही राह प्रदान की। इसलिए गांधी जी को युगावतार कहा गया।

(ख) महात्मा गांधी का अनुसरण करोड़ों लोग करते थे।

(ग) क्योंकि कवि के अनुसार गांधी जी जैसा महापुरुष कई युगों में एक बार जन्म लेता है और ऐसे युग अवतार को युगों तक का नमस्कार।

(घ) गांधी के सामने असत्य, मिथ्या, बर्बरता, सिंहासन, राजमुकुट सब काँप उठते थे।

(ङ) युद्ध करने वाली सेनाओं के प्रयाण की बात की गई है।

(च) राजतंत्र के विरुद्ध मोक्ष का मंत्र पढ़ा क्योंकि वे राजाओं के अत्याचारों से आम जनता को मुक्ति दिलाना चाहते थे।

(छ) गांधी जी अहिंसावादी थे, सत्य के पुजारी, धर्मांडबर के खिलाफ़ तथा राजतंत्र के खिलाफ़ थे।

प्रश्न 6. **(क)** तरफ़ – तथा **(ख)** नस – किनारा/छोर **(ग)** रोज़ – झुका हुआ
(घ) धरती – प्रवाह **(ङ)** कार्य – आवृत्ति
(च) घर – सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते पिंड, जैसे - पृथ्वी

प्रश्न 7. **(क)** सीधा; पौधे का भाग **(ख)** टैक्स; हाथ **(ग)** चरण; ओहदा/स्थान
(घ) श्रेणी; करोड़

प्रश्न 8. **(क)** धर्म + आडंबर **(ख)** युग + आधार **(ग)** सिंह + आसन
(घ) मिथ्या + अभिमान

प्रश्न 9 एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 19. संवदिया

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** उसके पति के संसार से जाते ही। **(ख)** बड़ी बहुरिया के तीनों देवर। **(ग)** द्रौपदी-चीरहरण की लीला। **(घ)** तत्पुरुष समास

प्रश्न 3. **(क)** नई दिल्ली **(ख)** मुम्बई सेंट्रल **(ग)** पटना **(घ)** चैन्नई सेंट्रल **(ङ)** कानपुर **(च)** वाराणसी **(छ)** लखनऊ **(ज)** बैंगलूरू

प्रश्न 4. **(क)** हरगोबिन कटिहार जंक्शन पाँच बजे भोर में पहुँचा।

(ख) हरगोबिन को जलालगढ़ जाना था।

(ग) पोटली में बासमती धान का चूड़ा था।

(घ) क्योंकि हरगोबिन ने सोचा माँ की सौगात अपनी बेटी के लिए है। इसमें से वह एक भी मुट्ठी नहीं खा सकेगा।

(ङ) हरगोविंद, बहू

प्रश्न 5. **(क)** बड़ी हवेली अब नाम की ही बड़ी हवेली रह गई है। ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बड़े भाई के मरने के बाद ही सब खेल खत्म हो गया। तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर में जा बसे थे।

(ख) बड़ी बहुरिया का संवाद था- माँ से कहना भाई-भाभियों की नौकरी करके पेट पालूँगी। बच्चों के जूठन खाकर एक कोने में पड़ी रहूँगी लेकिन अब यहाँ न रह सकूँगी। कहना, यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जाएँगी। तो मैं किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब मरूँगी।

(ग) हरगोबिन ने इसलिए कहा कि राह खर्च का इंतजाम वह स्वयं कर लेगा क्योंकि बड़ी बहुरिया ने उसे पाँच का नोट देते हुए कहा कि पूरा खर्चा नहीं जुटा सकी। आने का खर्चा माँ से माँग लेना।

(घ) हरगोबिन जब बिहपुर स्टेशन पहुँचा तो उसका जी भारी हो गया। क्योंकि वह पहली बार बड़ी बहुरिया का दुखद संवाद ले जा रहा है।

(ङ) हरगोबिन ने जब भोजन की थाली की ओर देखा, जिसमें दाल-भात, तीन तरह की सब्ज़ियाँ, पापड़, अचार, भाजी सभी कुछ रखा था। उसको लगा कि बड़ी बहुरिया बथुआ का साग उबालकर खा रही होंगी। इसीलिए हरगोबिन से कुछ नहीं खाया गया।

(च) गाँव का ताड़ सिर ऊँचा करके उसकी चाल को देख रहा है ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि ताड़ का पेड़ भी बड़ी बहुरिया की तरह उसका इंतजार कर रहा है।

(छ) हरगोबिन होश में आया तो उसने देखा बड़ी बहुरिया उसे दूध पिला रही हैं। उसने धीरे से हाथ बड़ा कर बड़ी बहुरिया के पैर पकड़ लिए। उसने कहा मैं आपके संवाद नहीं कह सका। तुम गाँव छोड़कर मत जाओ। तुमको कोई कष्ट नहीं होने दूँगा। मैं तुम्हारा बेटा! बड़ी बहुरिया, तुम मेरी माँ, सारे गाँव की माँ हो। मैं अब निठल्ला नहीं बैठा रहूँगा। तुम्हारा सब काम करूँगा। तुम गाँव छोड़कर तो नहीं जाओगी? बोलो?

प्रश्न 6. **(क)** बड़ी बहुरिया हरगोबिन को बुलाएगी।

(ख) उसके पास राह-खर्च के लिए पैसे नहीं थे।

(**ग**) हरगोबिन बूढ़ी माता के पास बैठा।

(**घ**) वह गाँव की ओर लौट रहा था।

प्रश्न 7. (**क**) संख्यावाचक विशेषण (**ख**) निजवाचक विशेषण

(**ग**) संकेतवाचक विशेषण (**घ**) गुणवाचक विशेषण

(**ङ**) संकेतवाचक विशेषण (**च**) गुणवाचक विशेषण

प्रश्न 8. (**क**) संज्ञा पदबंध (**ख**) विशेषण पदबंध (**ग**) क्रियाविशेषण पदबंध

(**घ**) क्रिया पदबंध (**ङ**) संज्ञा पदबंध

प्रश्न 9, 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 20. मैंने पहली पुस्तक खरीदी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** गलत **(ख)** सही **(ग)** गलत **(घ)** सही **(ङ)** सही

प्रश्न 3. **(क)** उसके परीक्षा में सफल होने की। **(ख)** कक्षा तीन में।
(ग) लोकनाथ की **(घ)** माँ की चिंता

प्रश्न 4. **(क)** मुंशी प्रेमचंद **(ख)** रामधारी सिंह 'दिनकर' **(ग)** श्रीलाल शुक्ल
(घ) धर्मवीर भारती **(ङ)** जयशंकर प्रसाद

प्रश्न 5. **(क)** पब्लिक लाइब्रेरी की स्थापना ईस्ट इंडिया कंपनी ने की थी।
(ख) लेखक के मोहल्ले के पुस्तकालय का नाम था – 'हरि भवन'
(ग) शुक्ल जी पुस्तकालय के इंचार्ज थे।
(घ) पुस्तक + आलय

प्रश्न 6. **(क)** लेखक के पिता ने गांधी जी के आह्वान पर सरकारी नौकरी छोड़ दी थी।
(ख) लेखक के यहाँ आने वाली बाल-पत्रिकाओं के नाम हैं– 'बालसखा' और 'चमचम'।
(ग) लेखक के पिता ने कहा, वायदा करो कि पाठ्यक्रम की किताबें भी इतनी ध्यान से पढ़ोगे की माँ की चिंता मिटाओगे।
(घ) इलाहाबाद के बारे में लेखक ने कहा कि इलाहाबाद भारत के प्रख्यात शिक्षा केंद्रों में से एक रहा है। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा स्थापित 'पब्लिक लाइब्रेरी' से लेकर महामना मदनमोहन मालवीय द्वारा स्थापित 'भारती भवन' तक।
(ङ) पुस्तकालय में जिस दिन लेखक कोई उपन्यास पूरा नहीं पढ़ पाता था उस दिन उसके मन में विचार आता था कि काश इतने पैसे होते कि इस उपन्यास को खरीद पाता तो घर में रखता।
(च) 'दुख के दिन अब बीतत नाहीं' गुनगुनाते सुनकर लेखकर की माता जी ने कहा दुख के दिन बीत जाएँगे बेटा! दिल इतना छोटा क्यों करता है, धीरज से काम ले।" इसके पीछे उनका भाव था कि दुख के दिन हमेशा नहीं रहते। वे भी चले जाते हैं। धीरज से काम लेना चाहिए।
(छ) लेखक किताब खरीदने के बाद बचे दो रुपये लेकर माँ की सहमति से फिल्म देखने गया। पहला शो छूटने में देर थी इसलिए पास की परिचित दुकान में सहसा काउंटर पर रखी एक पुस्तक देखी – 'देवदास', पुस्तक का दाम एक रुपया था। पुस्तक विक्रेता ने कहा तुम विद्यार्थी हो, अपनी पुस्तकें यहीं बेचते हो और हमारे पुराने ग्राहक हो। तुमसे अपना कमीशन नहीं लूँगा, केवल दस आने में यह किताब दे दूँगा। लेखक फ़िल्म देखने के बजाए दस आने में किताब खरीदकर घर लौट गया।

प्रश्न 7. **(क)** अन् – निषेधात्मक उपसर्ग **(ख)** वि – उत्कर्षपरक उपसर्ग
(ग) उत् – उत्कर्षपरक उपसर्ग **(घ)** ना – निषेधात्मक उपसर्ग
(ङ) अन् – निषेधात्मक उपसर्ग **(च)** निः – निषेधात्मक उपसर्ग
(छ) उत् – उत्कर्षपरक उपसर्ग **(ज)** प्र – उत्कर्षपरक उपसर्ग

प्रश्न 8. **(क)** परिचय + इत – घटित **(ख)** साहित्य + इक – वास्तविक
(ग) अर्थ + इक – मासिक **(घ)** सप्ताह + इक – वार्षिक

प्रश्न 9, 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 21. सयानी बुआ

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** गलत **(ख)** सही **(ग)** सही **(घ)** गलत **(ङ)** सही
(च) गलत **(छ)** गलत

प्रश्न 3. **(क)** भाई साहब और अन्नू की **(ख)** बुआ जी ने
(ग) क्योंकि बुआ जी को ऐसा करने की आदत थी।
(घ) कोई चीज़ खोने न पाए **(ङ)** द्वंद्व समास

प्रश्न 4. **(क)** यकृत **(ख)** टाँग **(ग)** फेफड़ा **(घ)** आँत **(ङ)** त्वचा

प्रश्न 5. **(क)** बुआ का व्यक्तित्व पूरे परिवार पर हावी था।
(ख) परिवार के लोग सुबह पाँच बजे जाग जाते थे।
(ग) नौ बजने पर नहाना शुरू हो जाता था।
(घ) रुकना + आवट

प्रश्न 6. **(क)** बुआ बचपन से ही समय की जितनी पाबंद थी, अपना सामान सँभालकर रखने में जितनी पटु थीं और व्यवस्था की जितनी कायल थीं, उसे देखकर, चकित हो जाना पड़ता था। कहते हैं, जो पेंसिल वह एक बार खरीदती थीं, वह जब तक इतनी छोटी न हो जाती कि उनकी पकड़ में भी न आए। तब तक उससे काम लेती थीं।

(ख) लेखिका ने बुआ के पास जाकर पढ़ने से इसलिए इनकार कर दिया था क्योंकि बचपन से ही उनकी ख्याति सुनते-सुनते उनके रौद्र रूप ने उनके मन को अभिभूत कर रखा था। दूसरा वे समय की भी सख्त पाबंद थीं।

(ग) बुआ जी के परिवार के लोगों पर बुआ जी का एक विचित्र-सा आतंक छाया था। सब पर बुआ जी का व्यक्तित्व हावी था। सारा काम वहाँ इतनी व्यवस्था से होता, जैसे सब मशीनें हों, जो कायदे में बँधी, बिना रुकावट अपना काम किया करती हैं।

(घ) अन्नू के अस्वस्थ रहने का मूल कारण बुआ जी का भय दर्शाया गया है। बुआ जी के भय के कारण वह उनसे कुछ नहीं कहती थी।

(ङ) अन्नू के जाने के समय लेखिका ने अनुभव किया कि बुआ जी की भयंकर कठोरता में कहीं कोमलता भी छिपी हुई है।

(च) बुआ जी अपने पत्र में भाई साहब को रोज़ ऐज एक सही हिदायत लिखती थी कि वह किस दिन, किस समय क्या खाएगी, कब कितना घूमेगी, क्या पहनेगी, सब कुछ निश्चित कर पत्र में लिख देती थीं।

(छ) भाई साहब के पत्र में दुखद समाचार था। क्योंकि भाईसाहब के हाथ से बुआ जी का पचास रुपये वाले सेट के दोनों प्याले टूट गए थे।

प्रश्न 7. **(क)** मुख + इक **(ख)** वास्तव + इक **(ग)** पीड़ा + इत
(घ) निश्चय + इत **(ङ)** व्यग्र + ता **(च)** कोमल + ता

प्रश्न 8. **(क)** अति + अधिक **(ख)** प्रति + एक **(ग)** निः + जीव **(घ)** कीट + अणु

प्रश्न 9. **(क)** ज़ोर से – रीतिवाचक क्रियाविशेषण **(ख)** कैसे – रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(ग) वहाँ – स्थानवाचक क्रियाविशेषण **(घ)** रातभर – कालवाचक क्रियाविशेषण

(ङ) खूब – परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

(च) अंदर – स्थानवाचक क्रियाविशेषण

प्रश्न 10, 11 एवं 12. विद्यार्थी स्वयं करें।